केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 187 रविवार 28 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

उल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस का पर्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । 75वॉ गणतंत्र दिवस जनपद में धूमधाम से समारोह पूर्वक मनाया गया। स्कूल, कॉलेज के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई, सभी कार्यालय एवं शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, राष्ट्रगान गाया गया तथा संविधान का संकल्प दिलाया गया। मुख्य कार्यक्रम पुलिस लाइन में आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग/जनपद के प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड की सलामी लिया। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था सुदृढ़ होने के कारण विकास भी तेज गति से संचालित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव–गांव में पहुंच रही है तथा लोगों को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिला रही है। उन्होंने कहा कि इस दौरान सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। उन्होंने अपील किया कि 2047 तक हमें भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इसमें सभी नागरिक सहयोग करेंगा।

उन्होंने पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदत्त सिल्वर मेडल नागरिक पुलिस के उप निरीक्षक जनार्दन प्रसाद, फायर सर्विस के रमेश चंद यादव, परेड के प्रभारी पुलिस क्षेत्राधिकार अशोक मिश्रा, प्लाटून प्रभारी संदीप राय, सुभाष चंद्र, सुरेंद्र प्रसाद, संजय कुमार, निधि यादव, एजाज अहमद, राम प्रकाश राय, राम खेलावन एवं मेनका चौहान को सम्मानित किया।

परेड में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए उन्होंने प्लाटून कमांडर संजय कुमार, द्वितीय स्थान के लिए प्लाटून कमांडर सुरेंद्र प्रसाद तथा तृतीय पुरस्कार महिला प्लाटून कमांडर निधि यादव को प्रदान किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने उपस्थित सभी लोगों को संविधान का संकल्प दिलाया। परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन उपनिरीक्षक दुर्गेश पाण्डेय तथा शिक्षिका मानवी सिंह ने किया। इस अवसर पर मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, आईजी आर.के. भारद्वाज, जिलाधिकारी अंद्रा वामसी, सीडीओ जयदेव सीएस, एडीएम कमलेश चंद, एएसपी ओम प्रकाश सिंह, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, पुलिस क्षेत्राधिकारी विनय सिंह चौहान, मोहनलाल, गणमान्य नागरिक, विभिन्न स्कूलों के अध्यापक–अध्यापिकाएं, छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राजकीय कन्या इण्टर कालेज, आरसीसी पब्लिक स्कूल, सेंट बेसिल, लिटिल फ्लावर, इंडियन पब्लिक स्कूल, पुलिस लाइन में संचालित वामा सारथी विद्यालय, सेण्ट जोशेफ स्कूल, सेण्ट जेम्स चर्च जूनियर हाईस्कूल, बेगम खैर गर्ल्स इण्टर कालेज, कैलवरी आइडियल स्कूल हर्रैया, उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी तथा श्रीमती कृष्णमुरारी पाण्डेय गर्ल्स इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा संविधान का संकल्प दिलाया। अपने सम्बोधन में उन्होने कहा कि आज देश ने सभी क्षेत्रों में, जैसे विज्ञान, शिक्षा, खाद्य, दूरसंचार, राष्ट्रीय राजमार्गो के निर्माण कृषि, स्वास्थ्य के क्षेत्र काफी प्रगति किया है। उन्होने कहा कि सभी नागरिक अपने अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों के प्रति भी सचेत रहें। कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सामूहिक रूप में राष्ट्रगान गाया गया तथा संविधान में उल्लिखित संकल्प को पढ़ा गया।

चित्रांश क्लब द्वारा अविनाश श्रीवास्तव महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा के संयोजन में झंडारोहण कार्यक्रम क्लब संरक्षक राजेश श्रीवास्तव के निवास पीली कोठी, रोडवेज पर संपन्न हुआ।

बिहार में कौन बनेगा मुख्यमंत्री सियासी उठापटक तेज

पटना (आभा)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार की महागठबंधन सरकार अस्थिर हो गई है। जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा के बाद पीएम नरेंद्र मोदी को सीएम नीतीश कुमार की ओर से खुलकर धन्यवाद किए जाने और इसी दौरान परिवारवाद पर उनकी टिप्पणी से साफ होता दिखा। कुछ और स्पष्टता राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्या के सोशल मीडिया संदेश से हो गई, हालांकि कुछ समय बाद उसे हटवा दिया गया। लेकिन, उसके 48 घंटे बाद भी असमंजस की स्थिति है। सीएम नीतीश कुमार और बड़े भाई लालू प्रसाद व भतीजे तेजस्वी यादव में दूरी साफ दिख रही है। राजद की ओर से राज्यसभा सांसद मनोज झा साफ पूछ चुके हैं कि सीएम स्थिति साफ करें। इसके बाद भी कुछ साफ नहीं हो रहा।

जनता दल यूनाईटेड के मुखिया नीतीश कुमार हैं और राज्य सरकार के भी। मुख्यमंत्री सबकुछ पटरी पर दिखा रहे हैं। शुक्रवार को उनकी सहमति से ही पहले सामान्य प्रशासन विभाग ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला किया। फिर रात में सीएम के मातहत गृह विभाग ने भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों का उससे भी बड़े स्तर पर तबादला आदेश जारी किया। शनिवार को सुबह मुख्यमंत्री बक्सर के लिए रवाना हो रहे। वह वहां ब्रह्मेश्वर स्थान मंदिर के विकास कार्य फेज– 1 और 2 का शिलान्यास करेंगे। इधर, पटना में मीडिया के बीच अफरातफरी की स्थिति है। कोई यह कह रहा कि राजद अपने विधायकों को राजभवन ले जाएगा। कोई नई सरकार बनने की तारीख बता रहा। लेकिन, मौजूदा सरकार गिरने की नौबत अभी तक सामने नहीं आई है। जदयू के नेता सामने–सामने कुछ नहीं बोल रहे, क्योंकि ताजा फैसले पर कुछ बोलने का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार में समाहित है। वैसे, जदयू के अंदरखाने से जानकारी यही मिल रही है कि दिल्ली से डील फाइनल की स्थिति में नहीं आई है। पक्का होने पर खुद सीएम सामने आकर बोलेंगे कि वह क्यों बदलाव कर रहे या नहीं होने पर बताएंगे कि ऐसा कुछ नहीं था।

सेन्ट्रल एकेडमी में उत्साह से मनाया गया गणतंत्र दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी में गणतंत्र दिवस का पर्व उत्साह और सांस्कृतिक कार्यक्मों के साथ मनाया गया। निदेशिका सीमा तिवारी ने ध्वजारोहण करने के बाद छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि लम्बे संघर्ष, बलिदान के बाद देश आजाद हुआ और 26 जनवरी 1950 को देश ने लिखित संविधान अंगीकार किया। 75 वां गणतंत्र देश के लिये महत्वपूर्ण है। देश कई मोर्चो पर प्रगति की ओर है। अमर सेनानियों के संकल्पों को पूरा करना हम सबका दायित्व है।

प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने छात्रों को गणतंत्र के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि भारतीय गणतंत्र की विकास यात्रा चुनौतियों के बीच निरन्तर जारी है। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं वैष्णवी, शिप्रा, नम्रा, मानसी, चांदनी, रौनक, शिवाकान्त, सृष्टि, आदि श्री, खुशी, सचिन, हर्षित दूबे, फरहान, सर्वेश, शाश्वत, श्रेया, तनवी पाल, अलका, आराध्याय, कार्तिक दूबे आदि ने देश भक्ति पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्म प्रस्तुत कर मन मोह लिया। मुख्य रूप से आबिद अरशद, आनन्द, अवधेश, शैलेन्द्र, द्विजेन्द्र, प्रीती, प्रिया, अंशिका, आस्था, ईशा, अनीता, आस्था आदि ने छात्रों को गणतंत्र दिवस के महत्व की जानकारी दिया।

सबल गणतंत्र हम सबका सामूहिक दायित्व–डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । ग्रामीण क्षेत्रों में 75 वें गणतंत्र दिवस का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्म हुये। पटेल एस. एम. एच. हॉस्पिटल एंड पैरामेडिकल कॉलेज गोटवा बस्ती में गणतंत्र दिवस के पर्व पर प्रबंधक एवं जिला चिकित्सालय बस्ती में आयुष चिकित्साधिकारी डॉ. वी.के. वर्मा ने झंडारोहण किया। कहा कि गणतंत्र की मजबूती के लिये देशवासियों को पूरी शक्ति के साथ दायित्व निभानें होंगे। कहा कि बीते 74 वर्षो में भारत ने तेजी के साथ विभिन्न क्षेत्रों प्रगति किया है। सबल गणतंत्र हम सबका सामूहिक दायित्व है। इसी संकल्प से भारत विकास की यात्रा में गतिमान होगा। इसी कम में गौतम बुद्ध मुराली देवी बालिका इण्टर कालेज गोटवा, गौतम बुद्ध विद्या मंदिर गोटवा कटया, वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बसुआपार, श्री श्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय लौहरौली तिलकपुर , गौतम बुद्ध कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय गोटवा में ध्वजारोहण के साथ गणतंत्र दिवस का पर्व मनाया गया। कार्यक्मों में मुख्य रूप से डा. आलोक रंजन, डा. आर. एन. चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज मिश्र, डा. सौरभ गुप्ता, सविता श्रीवास्तव, आराधना पाण्डेय, जे.एन. वर्मा, प्रवीण त्रिपाठी, विनय मौर्या, लालजी यादव, अंकुर पाण्डेय, पूजा, माया, दिनेश पाण्डेय, प्रवीन त्रिपाठी, जे.एन. वर्मा आदि शामिल रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये वरिष्ठ अधिवक्ता शक्तिदेव पाठक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता शक्तिदेव पाठक को उनके सातवें पुण्य तिथि पर याद किया गया। ओरीजोत में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जनपदीय प्रचार मंत्री एवं शक्तिदेव पाठक के पुत्र अनिल कुमार पाठक द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि कार्यकम में अनेक लोगों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुये उन्हें नमन् किया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह, मंत्री बालकृष्ण ओझा, कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, उमाकान्त शुक्ल, सुरेश गौड़, अरविद पाठक, शिव प्रकाश सिंह, विनोद पाठक, अविनाश दूबे, प्रमोद ओझा, मनोज उपाध्याय, आशीष दूबे, उमाशंकर पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, सुधीर तिवारी, सुशील पाण्डेय विनय पाण्डेय, अरविन्द पाठक, सुनील पाठक, राकेश मिश्र, अवनीश चौरसिया, चन्द्र प्रताप पाल, मनसाराम, आदि ने कहा कि शक्तिदेव पाठक दृढ इच्छा शक्ति के धनी थे। उन्होने अधिवक्ता के रूप में अनेक लोगों को न्याय दिलाने में योगदान दिया।

श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से कविन्द्रनाथ चौधरी, दिनेश, धर्मराज, रजनीश यादव, गौरव चौधरी, प्रमोद वर्मा, चन्द्रभूषण द्विवेदी, श्रेयांश पाठक, राम अवध पाण्डेय, विनय पाण्डेय, अरविन्द चौधरी आदि शामिल रहे।

गणतंत्र दिवस पर रालोद ने किया चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने ब्लाक रोड स्थित पार्टी कार्यालय पर ध्वजारोहण करते हुये कहा कि अमर शहीदों के त्याग, बलिदान से देश स्वतंत्र हुआ और 1950 में हमें लिखित संविधान प्राप्त हुआ। गणतंत्र निरन्तर विकसित हो यह हम सबका सामूहिक दायित्व होना चाहिये। जन नायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने के निर्णय का स्वागत करते हुये अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भी भारत रत्न दिया जाना चाहिये। रालोद लम्बे समय से यह मांग कर रहा है।

इस अवसर पर ओम प्रकाश चौधरी, रामजी चौधरी, सियाराम वर्मा, इन्द्र बहादुर यादव, विवेक श्रीवास्तव, लल्लन चौधरी, अनुपमा गुप्ता, प्रदीप चौधरी, दूधनाथ पटेल, के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

राजधर्म के सम्मुख ऐसी लाचारी थी, अपने बेटों को भी बेटा कह न सके

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–गणतंत्र दिवस पर कवि सम्मेलन, मुशायरा

बस्ती । गणतंत्र दिवस का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। प्रेस क्लब सभागार में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, मुशायरे में मुख्य अतिथि के रूप में उप जिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द ने कहा कि स्वतंत्रता आन्दोलन के इतिहास में कवि, शायरों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उन्होने अनेक कवियों की रचनाओं का उद्धरण देते हुये कहा कि गणतंत्र की रक्षा का दायित्व कवि, शायरों का भी है। रचनाकार समाज को जगाने की भूमिका निभाते हैं।

कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी 'दीपक' और संचालन ख्यातिलब्ध कवि डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने किया। सरस्वती वंदना से आरम्भ कवि सम्मेलन में ज्ञानेन्द्र द्विवेदी की रचना ' ऐ अब्र हमें तू– बार–बार सैलाब की धमकी देता है, हम तो दरिया की छाती पर तरबूज की खेती करते हैं' को सराहा गया। दिल्ली से पधारे कवि अंकुर शर्मा, विवेक कौटिल्य ने अपनी रचनाओं से कवि सम्मेलन को ऊंचाई प्रदान किया। मिर्जापुर से सिद्धान्त शेखर सिंह ने गीतों से वातावरण को रसमय बना दिया। डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कुछ यूं कहा– राम पुत्र का हाथ प्यार से गह न सके, भावुकता की धारा में भी बह न सके' राजधर्म के सम्मुख ऐसी लाचारी थी, अपने बेटों को भी बेटा कह न सके'। इन पंक्तियों पर श्रोता भावुक हो गये। महेश प्रताप श्रीवास्तव ने 'महफिल में उनको देखकर दिल भक्क से हुआ' सुनाकर वाहवाही लूटी, डा. वी.के. वर्मा ने कुछ यूं कहा ' उन शहीदों को करें श्रद्धा सुमन अर्पित, जो अपने देश के लिये कुरबान हो गये' सुनाकर देश भक्ति का भाव भरा। विनोद उपाध्याय हर्षित की रचना ' अदब के लिहाज से खामोश हो गया, वरना आपके सवाल का बेहतर जबाब था, सुनाकर वाहवाही लूटी। प्रख्यात कवियत्री डा. सत्यमबदा सत्यम, सीमा मिश्रा, अर्चना श्रीवास्तव, डा. अजय श्रीवास्तव अश्क, सागर गोरखपुरी, हसरत बस्तवी, विनय कान्त मिश्र, जगदम्बा प्रसाद भावुक, दीपक सिंह प्रेमी, डॉ. अजीत 'राज' डा. अफजल हुसेन ' अफजल, तौव्वाब अली, आदित्य राज ' आशिक' चन्द्रमोहन लाल श्रीवास्तव, रहमान अली 'रहमान' आदि ने गणतंत्र पर केन्द्रित रचनायें सुनाकर राष्ट्रीय भावना का गान किया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द ने कवियों, शायरों को अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहायक सूचना निदेशक प्रभाकर त्रिपाठी के साथ ही अनेक अधिकारी, कर्मचारी और श्रोता उपस्थित रहे।

यूपी में 11 सीटों पर लड़ेगी कांग्रेस

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों की डील पक्की हो गई है। कांग्रेस यूपी में 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस रायबरेली, अमेठी के अलावा प्रतापगढ़, वाराणसी, कानपुर, गाजियाबाद, इलाहाबाद, सहारनपुर, मुरादाबाद की सीटों पर लड़ सकती है। पूर्वी यूपी की ज्यादातर सीटें सपा के पास ही रहेंगी ऐसा अनुमान जताया जा रहा है।

शनिवार को अखिलेश यादव ने पोस्ट करते हुए लिखा– कांग्रेस के साथ 11 मजबूत सीटों से हमारे सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही है। ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ और भी आगे बढ़ेगा। 'इंडिया' की टीम और 'पीडीए' की रणनीति इतिहास बदल देगी।

वहीं, मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अखिलेश यादव के फैसले से कांग्रेस पार्टी के अहसमत होने की खबर है। कहा जा रहा है कि यह फैसला अखिलेश यादव का है न कि कांग्रेस का। हालांकि अभी तक कांग्रेस के किसी नेता का इस पर बयान नहीं आया है।

बता दें कि 17 जनवरी को सीटों के बंटवारे पर दिल्ली में गठबंधन के घटक दलों कांग्रेस और सपा के बीच बैठक हुई थी, लेकिन बैठक में कोई नतीजे नहीं निकल सका था।

बैठक खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा था कि सपा के साथ एक और बैठक होनी है। बात नहीं बनी तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खरगे अखिलेश यादव के साथ बात करेंगे।

सामूहिक विवाह में 351 जोड़ों ने लिए सात फेरे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शनिवार को श्री रामरेखा मंदिर परिसर में नवदम्पत्ति जोड़ों ने सात फेरे लिए। सामूहिक विवाह के अंतर्गत चार ब्लॉक हरैया, विक्रमजोत, दुबौलिया, परशुरामपुर और नगर पंचायत हरैया को मिलाकर कुल 351 जोड़ों ने सात फेरे लिए।

विधायक अजय सिंह ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना समाज की समरसता एवं समरूपता का प्रतीक है। पहले गरीब परिवार के व्यक्ति बेटियों की शादी को लेकर काफी चितित रहते थे। यही नहीं बेटियों के जन्म से वह दुखी भी होते थे। गरीबों की इस समस्या के निदान के लिए प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लागू की है। विधायक अजय सिंह, जिलाधिकारी आंद्रा वामसी, मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस सहित सभी अतिथियों ने नवदम्पत्ति को गृहस्थ आश्रम में प्रवेश कर जन्म जन्मांतर के पारिवारिक एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के कर्तव्य निर्वहन हेतु जीवन की नई पारी पर वर– वधू को आशीर्वाद एवं शुभकामना दिया। विवाह के अंतर्गत विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी नवदंपतियों ने अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए और एक दूसरे को वरमाला पहनाया। प्रेशर कुकर, डिनर सेट, सीलिंग फैन, बॉक्स, क्रॉकरी सेट, पैंट–शर्ट का कपड़ा, साड़ी आदि उपहार भी दिए गए।

इस अवसर पर पूर्व प्रमुख योगेंद्र सिंह, प्रमुख विक्रमजोत कृष्ण कुमार सिंह, अखिलेश सिंह, निर्मल सिंह, लवकुश वर्मा, प्रिंस शुक्ला, अक्षय सिंह, भरत सिंह, रामपाल यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, अधिकारी और क्षेत्र के सम्मानित लोग मौजूद रहे।

दिव्यांगों की सेवा के लिये तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ज्ञानोदय शिक्षण प्रशिक्षण संस्था द्वारा बस्ती सदर विकास खण्ड के बसिया में दिव्यांगों की सेवा के लिये तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह जानकारी देते हुये संस्था के अध्यक्ष सूर्यभान चौधरी ने बताया कि दिव्यांगों की सेवा के क्षेत्र में संस्था द्वारा निरन्तर कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में 150 चयनित प्रशिक्षुओं को विशेषज्ञों ने सतत पुर्नवास कार्यक्रम पर केन्द्रित जानकारी दिया।

प्रशिक्षक एवं आयोजक चन्द्रभान चौधरी, राम प्रसाद चौधरी, दिनेश चन्द्र यादव, अर्जुन वर्मा ने प्रशिक्षुओं को सतत पुर्नवास कार्यक्रम बारे में विस्तार से जानकारी दिया। बताया कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं है। दिव्यांगों के लिये केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनायें चलायी जा रही है। दिव्यांगों को इसका लाभ उठाना चाहिये। इस दिशा में ज्ञानोदय शिक्षण प्रशिक्षण संस्था द्वारा निरन्तर जन जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। प्रशिक्षण लेने आये शिक्षकों को दिव्यांगता के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन व दिव्यांग छात्रों को नई तकनीक से शिक्षा देने के संबंध में प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम संयोजन में मुख्य रूप से महेन्द्र कुमार, मनीष कुमार, प्रदीप कुमार आदि ने योगदान दिया।

सपा ने शुरू किया पीडीए पखवाड़ाः देश को गुलामी की ओर ले जाना चाहती है भाजपा-राम प्रसाद चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी द्वारा शनिवार को कप्तानगंज और हर्रैया में पीडीए पखवाड़ा जन पंचायत का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा सरकार के जनविरोधी नीतियों, बेरोजगारी, जातिगत जनगणना पीडीए पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान लोकसभा चुनाव में गरीबों, पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यक साथियों को बराबरी का हक, रोजगार दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी को भारी मतों से जिताने का आवाहन किया गया।

पीडीए पखवाड़ा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं लोकसभा बस्ती के प्रभारी राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव देश के इकलौते नेता हैं, जो समाज के उपेक्षित वर्गों, गरीबों, किसानों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं की लड़ाई मजबूती से लड़ रहे हैं. जबकि सत्ताधारी भाजपा संविधान और आरक्षण को खत्म करना चाहती है. बीजेपी देश को गुलामी की ओर ले जाना चाहती है. बिहार में मुख्यमंत्री रहते कर्पूरी ठाकुर ने जिस प्रकार पिछड़े वर्गों को आरक्षण देकर उनका सम्मान बढ़ाया. उसी तरह से अखिलेश यादव आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी दिलाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। पीडीए के दबाव में ही भारत सरकार को जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारतरत्न देना पड़ा। जनहित में सपा का संघर्ष अनवरत जारी रहेगा।

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि सपा सदैव विकास की राजनीति में विश्वास रखती है। पीडीए सम्मेलन के माध्यम से सपा समाज के हर वर्ग को पार्टी से जोड़ेगी। उन्होने उपस्थित लोगों का आवाहन किया कि वे सपा की नीति, कार्यक्रमों को जन–जन तक पहुंचाये जिससे सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य पूरा हो।

विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, रन बहादुर यादव, मो. स्वालेह, हृदयराम यादव, समीर चौधरी आदि ने सपा सरकार के कार्यों की याद दिलाते हुये कहा कि भाजपा गरीबों, किसानों, नौजवानों का हक छीनकर पूंजीपतियों को मजबूत कर रही है। इनके षड़यंत्रों से सावधान रहना होगा। पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक और समाज के सभी वर्गो के लोग परिवर्तन लायेंगे।

पीडीए पखवाड़ा कार्यक्रम में मुख्य रूप से तूफानी यादव, रहमान सिद्दीकी, पंकज मिश्र, धमेन्द्र, चन्द्र प्रकाश चौधरी, जगराम यादव, विद्या सागर, दयाशंकर, अनिल पटेल, राहुल सिंह, अरविन्द यादव, राजू सिंह, जिलाजीत, श्याम सुन्दर यादव, रानू सिंह, नीलू सिंह, नन्हें यादव, प्रवीण पाठक, गुलाम गौस, दिलीप यादव, सुनील यादव, विजय यादव, रघुनाथ यादव, कैलाशनाथ शुक्ला के साथ ही बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 जनवरी 2024 रविवार

सम्पादकीय

रसूखदार अपराधी

जब भी किसी अपराधी का अपराध सिद्ध हो जाता है तो उसे अदालत उचित सजा सुनाकर जेल भेज देती है। जेल में हर अपराधी, जो दोषी करार दिए जाने के बाद सजा काटता है तो उसे जेल के नियम के तहत अपनी सजा पूरी करनी पड़ती है। अपराधी चाहे पेशेवर गुंडा हो, कोई आम आदमी हो जिसके द्वारा किसी विशेष परिस्थिति में अपराध हुआ हो या फिर कोई रसूखदार व्यक्ति हो, कानून सबके लिए एक समान है। परंतु क्या ऐसा वास्तव में होता है? क्या हमारे देश की जेलों में सभी के साथ एक जैसा व्यवहार होता है? रसूखदार कैदियों के संदर्भ में इस सवाल का जवाब आपको 'नहीं' ही मिलेगा। ऐसा क्या कारण है कि जेल के नियम और कायदों को तोड़—मरोड़ कर रसूखदार कैदियों को 'विशेष शिष्टाचार' दिया जाता है?

आए दिन हमें ऐसी खबरें पढने को मिलती हैं जब किसी रसूखदार अपराधी के खिलाफ कोर्ट में केस चलता है और उसे सजा सुना कर जेल भेज दिया जाता है। परंतु आम जनता के मन में यही शक रहता है कि जेल में जा कर भी वह रसूखदार व्यक्ति ऐशो—आराम की जिंदगी ही जिएगा। हद तो तब हो जाती है जब यह प्रभावशाली अपनी सजा के दौरान ही कई बार पैरोल या फरलो मिल जाती है। रसूखदार कैदियों को दिए जाने वाले इस विशेष व्यवहार पर जब राजनीतिक तड़का लगता है तो यह व्यवहार कई गुना बढ़ जाता है। यदि यह रसूखदार कैदी किसी ऐसे धार्मिक पंथ का मुखिया हो जिसके करोड़ों भक्त हों, तो राज्य सरकार हर चुनाव से पहले उसे पैरोल या फरलो पर छोड़ने में देर नहीं करती।

यहां पर पैरोल और फरलो को समझना भी जरूरी होगा। जेल नियम के तहत एक साल में अधिकतम 100 दिन तक किसी भी कैदी को जेल से बाहर रहने दिया जा सकता है। इसमें 30 दिन की फरलो और 70 दिन की पैरोल शामिल है। राजनीतिक पार्टी कोई भी सत्ता में हो, हर पार्टी अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस प्रावधान का दुरुपयोग करती आई है। आपको ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे जहां सत्ताधारी दल ने ऐसे रसूखदार कैदियों के लिए अधिकतम कदम उठा कर उसे अधिक से अधिक समय तक जेल से बाहर रखा है। ऐसे हालात में, ऐसे किसी भी कैदी, जिसे कैद—ए—बामशक्कत की सजा सुनाई गई हो उससे आप जेल में किसी भी तरह के श्रम की उम्मीद कैसे लगा सकते हैं? जब—जब ऐसे दुर्दांत अपराधियों को जेल के नियम का दुरुपयोग कर जेल के बाहर भेजा जाता है तो पीड़ित परिवार खुद को बेबस महसूस करते हैं।

ताजा मामला डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख बाबा गुरमीत राम रहीम का है। डेरा प्रमुख को 2 हत्याओं और 2 बलात्कार के मामलों में अदालत द्वारा दोषी पाया गया है। परंतु उल्लेखनीय है कि बीते 2 वर्षों में यह अपराधी लगभग 250 से अधिक दिनों तक जेल के बाहर रहा। सवाल उठता है कि क्या देश का कानून मामूली कैदियों और रसूखदार कैदियों के लिए अलग है? इस पर कानून के जानकारों का कहना है कि देश की सर्वोच्च अदालत ने ऐसे कई फैसले सुनाए हैं जहां पर पैरोल और फरलो दिए जाने के लिए निर्देश दिए गए हैं कि किन—किन परिस्थितियों में कैदियों को पैरोल और फरलो दिया जा सकता। इतने अधिक समय के लिए पैरोल और फरलो दिए जाने से कैदी को दी गई सजा के मायने ही कम हो जाते हैं। ऐसा सिर्फ इसलिए क्योंकि कोई रसूखदार कैदी बलात्कार और हत्या जैसे संगीन अपराध करने के बावजूद अपने राजनीतिक संपर्कों के चलते जेल प्रशासन को अपना 'अच्छा चाल चलन' दिखाने में कामयाब हो जाता है।

देश भर की जेलों में लगभग 6 लाख कैदी बंद हैं। इनमें से 75 प्रतिशत कैदियों का अभी तक ट्रायल भी पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन कैदियों का ट्रायल पूरा नहीं हुआ उनके मानवाधिकार का हनन क्यों किया जा रहा है? उन्हें पैरोल और फरलो क्यों नहीं मिल रही? एक टी.वी. डिबेट में बोलते हुए महाराष्ट्र सरकार में जेल विभाग की प्रमुख रहीं पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी मीरा बोरवणकर ने कहा कि किसी भी राज्य के प्रिजन मैनुअल को देखें तो पैरोल और फरलो दिए जाने के नियम साफ—साफ लिखे हैं। पैरोल केवल आपात स्थिति में दिया जाता है जब कैदी की निजी मौजूदगी अनिवार्य होती है। जैसे किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु हो जाना या परिवार के सदस्य का विवाह। गुरमीत राम रहीम को लगातार दिए जाने वाले पैरोल पर सवाल उठाते हुए उनका कहना है कि ऐसी कौन—सी आपात स्थिति थी जिसके चलते उन्हें इतनी बार पैरोल दिया गया? रसूखदार कैदियों को चुनावों के आसपास ही पैरोल और फरलो क्यों मिलती है इस बात पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

समय के साथ बदलता परेड का परिदृश्य

—विवेक शुक्ला—

गणतंत्र दिवस परेड को करोड़ों लोगों ने अपने घरों में टीवी पर देखा। र इसी तरह से लाखों लोग परेड को उन मार्गों पर बैठकर या फिर किसी घर या बिल्डिंग की छत से देखेंगे जिधर से यह गुजरेगी। आप कह सकते हैं कि पंजाब में आतंकवाद के दौर से पहले राजपथ (अब कर्तव्यपथ) पर आम इंसान भी मजे में पहुंच जाता था। पुलिस की सांकेतिक उपस्थिति रहती थी। उधार खोमचे वाले भी दिखाई देते थे और लोग खाने—पीने की चीजें लेकर पहुंचते थे। लेकिन आतंकवाद के पनपने के बाद सब कुछ बदल गया। फिर सुरक्षा व्यवस्था इतनी सख्त हो गई कि आम जन राजपथ जाने से ही बचने लगा।

मशहूर कमेंटेटर जसदेव सिंह ने साल 1963 से लेकर 2013 तक लगातार गणतंत्र दिवस परेड का देश—दुनिया को आंखों—देखा हाल आकाशवाणी और दूरदर्शन से सुनाया था। यानी वे आधी सदी तक 26 जनवरी पर परेड की कमेंट्री करते रहे। उन्होंने इस दौरान परेड के विस्तार और बदलते चेहरे को देखा। वे बताते थे कि चीन से 1962 में हुए युद्ध में उन्नीस रहने के कारण देश उदास था। उसकी अभिव्यक्ति 1963 की गणतंत्र दिवस परेड के फीकेपन में भी कहीं न कहीं नजर आ रही थी। राजपथ से लेकर परेड के शेष हिस्सों जैसे कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, मिन्टो रोड, थामसन रोड वगैरह में जनता की भागीदारी कम रही थी। उस साल बाल वीर पुरस्कार भी नहीं दिए गए थे। ये 1959 में दिए जाने शुरू हुए थे ।

यूं तो गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा से लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जैसी हस्तियां मुख्य अतिथि रहे हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के मुक्ति योद्धा नेल्सन मंडेला और मुक्केबाज मोहम्मद अली का राजपथ पर सबसे गर्मजोशी से उपस्थित अपार जनसमूह ने स्वागत किया। मंडेला साल 1995 में गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि थे। मंडेला जब तक परेड का आनंद ले रहे थे, तब वहां मौजूद दर्शक मंडेला के नारे लगा रहे थे। गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का मंडेला से अधिक उत्साह से स्वागत नहीं हुआ है। जसदेव सिंह बताते थे कि मंडेला की तरह राजपथ पर उपस्थित अपार जनसमूह ने मुक्केबाज मोहम्मद अली का भी करतल ध्वनि से अभिनंदन किया था। वे 1978 के गणतंत्र दिवस समारोह में खास अतिथि थे। उस गणतंत्र दिवस समारोह में कहने को मुख्य अतिथि आयरलैंड के राष्ट्रपति प्रेट्रिक हिलेरी थे, पर राजपथ पर सबकी निगाहें मोहम्मद अली को तलाश कर रही थीं। वे तब अपने कैरियर के चरम पर थे। एक तरह से विश्व नायक थे। मोहम्मद अली परेड के शुरू होने से चंदेक मिनट पहले ही अपने स्थान पर विराजमान हो गए थे। उनके राजपथ पर आने की सूचना लाउड स्पीकर से होते ही वहां पर मौजूद हजारों लोगों ने हर्षध्वनि से उनका अभिनंदन किया। वे अपने चाहने वालों के अभिवादन का उत्तर अपने मुक्के को हवा में घुमाते हुए दे रहे थे। उनके इस तरह के करतब देख दर्शक झूमने लगते थे। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी मोहम्मद अली को देख—देखकर मुस्करा रही थीं।

जसदेव सिंह को इस बात का अफसोस भी था कि किस तरह गणतंत्र दिवस परेड आम आदमी से दूर होती चली गई। उसके वहां तक पहुंचने में अवरोध खड़े किए जाते रहे। गणतंत्र दिवस पर सुनाई जाने वाली जसदेव सिंह की कमेंट्री को सुन—सुनकर कई पीढ़ियां बड़ी हुईं। उन्होंने कुछ साल निजी खबरिया चौनलों पर भी परेड का आंखों—देखा हाल सुनाया। जसदेव सिंह ने बाल वीर पुरस्कार विजेता बच्चों को पहले हाथी पर परेड में गुजरता हुए देखा था। ये सिलसिला 2010 में खत्म हो गया था। फिर बच्चों को जीप में बैठा कर परेड में लेकर जाया जाने लगा। उन्हें ये बदलाव समझ नहीं आता था। उन्होंने परेड की समाप्ति पर पंडित जवाहर लाल नेहरू को लोगों से घुलते—मिलते देखा था। जसदेव सिंह 26 जनवरी को सुबह करीब चार बजे राजपथ पहुंच जाते थे। वहीं परेड के रूट पर लोग अलसुबह बैठ जाते थे। इनमें दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के गांवों के लोग भी होते थे। ये सब खुद को परेड से जोड़ते थे। तब गणतंत्र दिवस की परेड को देखना मानो किसी पर्व पर व्रत रखने के समान ही होता था। दिल्ली वालों में गजब का जोश रहता था। कड़ाके की सर्दी के बावजूद वे अपने सुबह की परेड के रूट पर आग जलाकर बैठ जाते थे। तेरह दिसंबर, 2001 को संसद पर हुए हमले के बाद साल 2002 की गणतंत्र दिवस परेड के रूट को सरकार ने बदल दिया था। इस तरह से पहली बार परेड का रूट बदला गया था। परेड के रूट को छोटा कर दिया। तब से परेड इंडिया गेट से आईटीओ, दरियागंज होते हुए लाल किले पर समाप्त होने लगी। इस तरह परेड ने कनॉट प्लेस में आना बंद कर दिया। इस कारण देश की राजधानी के दिल कनॉट प्लेस से गणतंत्र दिवस परेड को देखने से लोग वंचित हो गए।

सबके राम, सबमें राम

—संजय द्विवेदी—

अयोध्या में 22 जनवरी, 2024 को रामलला विराजे और तमाम आँखें सजल हो उठीं। ये आँसू यूं ही नहीं आए थे। ये भारत की लगातार आहत होती सभ्यता को एक सुनहरे पल में प्रवेश करते देखकर भर आई आँखें थीं। अयोध्या को इस तरह देखना विरल है। यह शहर सालों से सन्नाटे में था, गहरी उदासी और गहरे अवसाद में डूबा, शांत और उत्साहहीन। जैसे इतिहास और समय एक जगह ठहर गया हो और उसने आगे न बढ़ने की ठान रखी हो। दूरस्थ स्थानों से अयोध्या आते लोग भी हनुमान गढ़ी और कनक भवन जैसे स्थानों को देखकर लौट जाते। चौदहकोसी परिक्रमा करते और चले जाते। राम के लिए आए लाखों लोगों में बहुत कम लोग त्रिपाल या टाट में बैठे रामलला के दर्शन करते। लेकिन 22 जनवरी का नजारा अलग था। हर राह राममंदिर की ओर जा रही थी। आँखों में आँसू, चेहरे पर मुस्कान और पैरों में तूफान था। आखिर हमारे राम को उनके अपने घर और शहर में सम्मान मिलते देखना अद्भुत अनुभव था। सदियां गुजर गईं लेकिन सत्य स्थिर था। इसी सत्य को देखने सारी दुनिया टीवी, मोबाइल स्क्रीन पर आँखें गड़ाए बैठी थी। विवाद का अंत हुआ और सत्यमेव जयते का उद्घोष सार्थक हुआ। यह समाधान सर्वजनहिताय तो था ही।

अयोध्या के दर्द को समझिए

कभी त्रेता में वनवास गए राम कलयुग में भी एक दूसरी दुविधा के सामने थे। आजाद हिंदुस्तान में भी भारत के इस सबसे लायक बेटे के लिए मंदिर की प्रतीक्षा थी। बाबर के सेनापति द्वारा गिराए मंदिर के सामने पूजा—अर्चना करके आहत समाज यह सोचते हुए लौटता था कि कभी राम का भव्य मंदिर बनेगा। 2024 की यह 22 जनवरी करोड़ों आँखों के सपने सच करने के लिए आई थी। राम भारत के राष्ट्रनायक हैं, जिन्होंने अयोध्या से रामेश्वरम् को जोड़ा। वे दीन—दुखियों के, जीवन जीने के लिए संघर्ष करती आम जनता के पहले और अंतिम सहायक हैं। रामचरित मानस और हनुमान चालीसा की पंक्तियों को दोहराते हुए यह संघर्षरत समाज राम के सहारे ही अपनी जीवनयात्रा को सरल बनाता रहा है। बावजूद इसके आजादी के बाद भी सबको मुक्त करने वाले नायक को मुक्ति नहीं मिली। लंबे समय तक तो वो ताले में बंद रहे। अखंड कीर्तन चलता रहा। किंतु राहें आसान नहीं थीं। अयोध्या आंदोलन की यादें आपको सिहरा देंगीं। 1990 और 1992 की यादें एक गहरी कड़वाहट घोल जाती हैं। राजनीति किस तरह आसान मुद्दों को भी जटिल बनाती है। इसकी कहानी अयोध्या आज भी बताती है। अयोध्या अब अपने सदियों के दर्द से मुक्त मुस्करा रही है।

दुनिया के किसी पंथ, संप्रदाय के महानायक के साथ यह होता तो क्या होता? सोचकर भी सिहरन होती है। किंतु भारत में यह हुआ और हिंदू समाज के अपार धैर्य, सहनशीलता की कथा फिर से दोहराई गयी। एक साधारण मंदिर नहीं अपने राष्ट्रपुरूष, राष्ट्रनायक की जन्मभूमि के लिए भी लंबा अहिंसक संघर्ष सड़क से लेकर अदालतों तक चलता रहा। सही मायने में 22 जनवरी का दिन हमारे राष्ट्रजीवन में 15 अगस्त,1947 से कम महत्त्पूर्ण नहीं है। क्योंकि 15 अगस्त के दिन हमें अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी तो 22 जनवरी को हम सांस्कृतिक, वैचारिक दासता और दीनता से मुक्त हो रहे हैं। यह भारत की चिति को प्रसन्न करने का क्षण है। यह आत्मदैन्य से मुक्ति का क्षण है। यह क्षण अप्रतिम है। वर्णनातीत है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से लेकर स्व. राजीव गांधी (अपनी अयोध्या यात्रा में) तक रामराज्य लाने की बात करते हैं। किंतु उस यात्रा की ओर पहला कदम आजादी के अमृतकाल में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ाया है। इसलिए सारा देश उनके साथ खड़ा है। कांग्रेस नेता श्री प्रमोद कृष्णन ने सत्य ही कहा है कि यदि श्री मोदी प्रधानमंत्री नहीं होते तो मंदिर निर्माण संभव नहीं होता।

रामलला का 496 वर्षों बाद अपनी जन्मभूमि पर पुनःस्थापित होना सबको भावविह्वल कर गया। दुनिया भर में बसे 100 करोड़ से ज्यादा हिंदुओं और भारतवंशियों के लिए यह गौरव का क्षण था। इस मौके पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख डा. मोहन भागवत जी ने किसी तरह का राजनीतिक संवाद न करते हुए जो बातें कहीं वो भविष्य के भारत की आधारशिला बनेंगीं। संघ प्रमुख ने रामराज्य की अवधारणा को व्याख्यायित करते हुए भविष्य के कर्तव्य पथ की चर्चा की। उनका कहना था— "आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का स्व लौट आया है। संपूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला एक नया भारत खड़ा होकर रहेगा। उसका प्रतीक यह कार्यक्रम बन गया है।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर साफ कहा कि— "राम आग नहीं ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं समाधान हैं। राम विजय नहीं विनय हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं।" यह बात बताती है कि माननीय प्रधानमंत्री एक नए भारत के स्वप्नदृष्टा हैं। नया भारत बनाने और उसमें एक जीवंत ऊर्जा का संचार करने के लिए प्रधानमंत्री ने न सिर्फ रामलला की मूर्ति स्थापना के लिए 11 दिनों का व्रत विधानपूर्वक बिना ठोस भोजन लिए पूर्ण किया, बल्कि उनकी विराट सोच ने इस आयोजन को और भी अधिक भव्य और सरोकारी बना दिया। देश के विविध क्षेत्रों की माननीय प्रतिभाओं को एक स्थान पर एकत्र कर राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट ने इस आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। राजनीति से परे हटकर इस घटना का विश्लेषण करना ही इसे सही अर्थ में समझना होगा। तभी हम भारत और उसकी महान जनता के मन में रमे राम को समझ पाएंगें। 'सबके राम—सबमें राम'की भावना स्थापित कर हम राममंदिर को राष्ट्रमंदिर में बदल सकते हैं। जिससे मिलने वाली ऊर्जा दिलों को जोड़ने, मनों को जोड़ने का काम करेगी। यह अवसर भारत का भारत से परिचय कराने का भी है। जनमानस में आई आध्यात्मिक और नैतिक चेतना को देखकर लगता है कि भारत की एक नई यात्रा प्रारंभ हुई है, जो चलती रहेगी बिना रूके, बिना थके।

डॉ. शिवओम अंबर ने लिखा है—

राम हमारा कर्म, हमारा धर्म, हमारी गति है।

राम हमारी शक्ति, हमारी भक्ति, हमारी मति है।

बिना राम के आदर्शों का चरमोत्कर्ष कहां है?

बिना राम के इस भारत में भारतवर्ष कहां है?

—

क्या था कर्पूरी ठाकुर का आरक्षण दांव

—अभिनव आकाश—

समस्तीपुर का पितौढियां गांव, क्या था केपी का आरक्षण वाला दांव। दो बार के सीएम लेकिन अपना एक घर तक नहीं। ऐसा मुख्यमंत्री जो करता था रिक्शा की सवारी, लालू और नीतीश के गुरू, जेपी—लोहिया को मानते आदर्श। मंडल कमीशन से पहले बिहार में ओबीसी आरक्षण देने वाले नेता। आज का एमआरआई एक ऐसी शख्सियत पर करेंगे जिन्हें भारत रत्न से नवाजने का ऐलान मोदी सरकारी की तरफ से किया गया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की 24 जनवरी को 100वीं जयंती है। कर्पूरी जयंती पर राष्ट्रीय जनता दल से लेकर जनता दल यूनाइटेड तक ने अपने—अपने स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए। लेकिन अचानक केंद्र सरकार की तरफ से लिए गए फैसले ने बिहार की सियासत में खलबली मचा दी।

बिहार के समस्तीपुर जिले के एक छोटे से गाँव के रहने वाले ठाकुर एक स्वतंत्रता सेनानी थे और 1924 में अंग्रेजों के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने कहा था कि हमारे देश की आबादी इतनी अधिक है कि केवल थूक देने से अंग्रेजी राज बह जाएगा। वे अगस्त क्रांति में शामिल हुए। 9 अगस्त 1942 को दरभंगा में छात्रों की बैठक हुई। कर्पूरी ठाकुर ने क्रांतिकारी भाषण दिया। उसका असर ऐसा हुआ कि सरकारी भवनों पर तिरंगा फहराने लगा। रेल की पटरियां उखड़ने लगी। 1945 में कर्पूरी की जेल यात्रा समाप्त हुई। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के सक्रिय सदस्य बने। नारा दिया— कमाने वाला खाएगा, लूटने वाला जाएगा। नया जमाना आएगा। गांव—गंवा में ये नारा चर्चित हो गया। 1952 में ठाकुर पहली बार विधायक बने और राज्य स्तर पर उनकी चुनाव जीतने की लय 1985 तक जारी रही। श्जन नायकश के नाम से जाने जाने वाले कर्पूरी ठाकुर दो बार 1970 में (संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के साथ)) और 1977 (जनता पार्टी के साथ) बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। कहा जाता है कि सीएम के रूप में ठाकुर ने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने, स्कूल की फीस माफ करने और पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से कई नीतियां पेश कीं।

साल 1938 में समस्तीपुर जिले के पितौजिया गांव में एक लड़का मैट्रिक की परीक्षा का परिणाम देखकर घर लौट रहा था। पिता गोकुल ठाकुर गांव में हजाम थे। पढ़ने के बहुत मौके नहीं थे। बहुत कशमकश के साथ पढ़ाई चल रही थी। लेकिन मैट्रिक के नतीजों में मेहनत का रंग साफ नजर आया। लड़का भागता हुआ पिता के पास पहुंचा और प्रफुल्लता से बोला— बापूजी मैट्रिक में पहले दर्जे से पास हुआ हूं। ये वो दौड़ था जब ग्रामीण इलाकों में मैट्रिक पास खोजे से नहीं मिलते थे। फर्स्ट डिविजन तो बहुत दूर का सपना होता था। लड़के को लेकर पिता गांव के जमींदार के पास खुशखबरी देने के लिए पहुंचे। सोचा कुछ सहारा हो जाएगा। लड़के ने खुश होकर जमींदार को बताया कि मैट्रिक के इम्तिहान में अव्वल दर्जे से पास हुआ हूं। खाट पर लेटे जमींदार ने जवाब दिया पहले दर्जे से पास हुए हो, तू ही पास किया है मैट्रिक, अच्छा ठीक है। उसके बाद सामने एक टेबल रखी थी। जमींदार ने टेबल पर अपना पैर रखते हुए कहा चलो अब गोर (पांव) दबाओ। इस घटना के 32 साल बाद इस लड़के के गोर मुख्यमंत्री की कुर्सी के नीचे टिके थे।

जातियों का विभाजन केवल बिहार में नहीं है। हां यहां लकीरें थोड़ी गहरी हैं। लेकिन गांव में अलग—अलग जातियों के हिसाब से वहां पर टोले—मोहल्ले होना एक आम बात है। लेकिन कहते हैं न कि इतिहास ने लकीरें भले ही गहरी कर दी लेकिन वर्तमान में कुछ चीजें बदलती भी हैं। कुछ ऐसी भी जगह होती हैं जहां पर जातियों को छोड़कर सारे लोग एक साथ बैठकर खाते हैं, पीते हैं, बाते करते हैं। बिहार की राजनीति के ज्यादा पन्ने नहीं पलटने होंगे लेकिन ये दिख जाएगा कि दलितों और पिछड़ों के लिए सबसे पहले संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने वाले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर ने क्या—क्या देखा था? कर्पूरी ठाकुर जनता पार्टी के नेता के तौर पर जून 1977 को बिहार के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने मुख्यमंत्री बनते ही पिछड़ों को आरक्षण के वादे को पूरा करने का काम शुरू किया। जिसकी वजह से वो अपनी ही पार्टी के अंदर आलोचना का शिकार होने लगे। यहां तक की जेपी पर भी कर्पूरी ठाकुर से नाराजगी की बात कही गई थी। मुख्यमंत्री बनते ही उनहोंने 27 फीसदी आरक्षण पिछड़ों को दे दिया था। ये उनकी सोच थी। उन्होंने उस गरीबी, परेशानियों और भेदभाव को बहुत करीब से देखा था। मंडल कमीशन तो बहुत बाद में आया लेकिन उससे पहले ही उन्होंने ये करके दिखाया था। उन्होंने ये सोचा था कि कैसे सबको आगे लेकर बढ़ना है। लेकिन ये तमाम कदम नाकाफी ही साबित हुए। ऊंची जातियों के दबाव में उन्हें 27 प्रतिशत से घटाकर आरक्षण 20 प्रतिशत करना पड़ा, फिर भी उनकी सरकार गिरा दी गई। कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का संघर्ष तो समूचे देश में एक समान है। लेकिन सवाल सोच की उस जाति वाले विभाजन पर भी है जहां हर व्यक्ति कि जिज्ञासा ये होती है कि सामने वाली की जाति कौन सी है? बिहार में राजनीतिक पार्टियों का गठन भी जाति देखकर होता है। अपनी जाति के नेता पर विश्वास भी सर्वमान्य है।

आज के जमाने में सिर्फ किस्सा ही लगेगा। यकीन करना मुश्किल होगा कि दो बार मुख्यमंत्री रहने और उप मुख्यमंत्री रहने वाला शख्स रिक्शा पर चलते थे। जब उनका निधन हुआ तो पटना तो छोड़िए अपने पैतृक गांव में उनके पास एक मकान नहीं था जो विरासत में वो किसी को देते। ऐसी सादगी ऐसी ईमानदारी का नाम कर्पूरी ठाकुर था। उनकी ईमानदारी की ऐसी—ऐसी मिसालें हैं जो वर्तमान दौर के लिए किस्सा कहानी ही है। एक बार उनका ऐसे प्रतिनिधिमंडल में चयन हुआ जिसे ऑस्ट्रिया जाना था। उनके पास कोट नहीं था। दोस्त से कोट मांगा। दोस्त ने जो कोट दिया वो थोड़ा फटा हुआ था। ऑस्ट्रिया में वो वही फटा कोट पहनकर कार्यक्रम में शामिल हुए। कहा जाता है कि यूगोस्लाविया के शासक मार्शल टीटो ने फटा हुआ कोट देखने के बाद कर्पूरी ठाकुर को एक नया कोट गिफ्ट किया।

1977 में जब वह बिहार के सीएम बने थे। तब केंद्र और बिहार में जनता सरकार सत्ता में थी। उस समय जनता पार्टी के नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण यानी जेपी के जन्मदिन के लिए कई नेता पटना में इकट्ठा हुए। उसमें शामिल मुख्यमंत्री कर्पूरी बाबू का कुर्ता फटा हुआ था। ऐसे में चंद्रशेखर जी ने अपने अनूठे अंदाज में लोगों से कुछ पैसे दान करने की अपील की, ताकि कर्पूरी जी नया कुर्ता खरीद सकें। लेकिन कर्पूरी जी तो कर्पूरी जी थे। उन्होंने इसमें भी एक मिसाल कायम कर दी। उन्होंने पैसा तो स्वीकार कर लिया, लेकिन उसे मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर दिया।

एक बार उनके पिता का पिछड़ी जाति से आने की वजह से दबंग सामंती लोगों ने अपमान किया। पूरी खबर फैली की डीएम साहब आ रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर के पिता का अपमान कर दिया है अब पुलिस कार्रवाई करेगी। कर्पूरी ठाकुर ने खुद जाकर रोका था। उन्होंने कहा कि ये जो पिछड़े लोग हैं उनका अपमान तो रोज होता है। ऐसे में सिर्फ मेरे पिता के खिलाफ अपमान होने पर कार्रवाई क्यों? अगर पुलिस वाकई किसी का अपमान न होने दे और सख्त कार्रवाई करे तो बात हो। ऐसी सोच, ऐसी ईमानदारी ऐसा व्यक्तित्व जिसकी वजह से कर्पूरी ठाकुर को पार्टी लाइन से परे हटकर पसंद किया गया।

नगर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाना नगरपालिका का है दायित्व-डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने नगर पालिका परिषद भिनगा के भिनगा बाजार से बहराइच जाने वाले मुख्य मार्ग पर ईदगाह के समीप नवनिर्मित तिराहे का लोकार्पण किया। यह निर्माण कार्य पंचम राज्य वित्त आयोग के तहत कराकर तिराहे को सुसज्जित किया गया है। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निकाय के तहत आने वाले अन्य चौराहों व तिराहों को इसी तरह निर्माण व सौंदर्यीकरण कराने की कार्ययोजना बनाकर सौंदर्यीकरण कराएं। उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाना नगर पालिका का दायित्व है। इसलिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा जाय। इसके अलावा जिलाधिकारी ने भीषण ठंडी को देखते हुए प्रमुख स्थलों व चौराहों पर अलाव की मुकम्मल व्यवस्था रखने का निर्देश सभी उप जिलाधिकारियों व अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिया है और इसके साथ ही उन्होंने असहाय व बेसहारा गरीबों को कम्बल भी देने के साथ ही आश्रय स्थलों में रैन बसेरों में सभी व्यवस्थाएं ठीक रखें। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद इरफान अहमद, अधिशासी अधिकारी डा अनीता शुक्ला सहित सभासद मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में दिव्यांग बच्चों को मिला पुरस्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मुस्कान पुनर्वास केंद्र कनीगंज अयोध्या द्वारा संचालित प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल समिति के नन्हे मुन्ने बच्चे प्रत्येक वर्ष न केवल विद्यालय में 26 जनवरी के अवसर पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं वरन् पुलिस लाइंस में भी कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं तथा पुरस्कार जीतते हैं। इस वर्ष भी प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल समिति के बच्चों को सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय एवं एस०एस ०पी महोदय ने बच्चो को जीत की बधाई एवं आशीर्वाद दिया। दिव्यांग बच्चों ने बहुत ही अच्छा व मनोहरी कार्यक्रम "मेरा देश रंगीला "प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम संस्था के प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात बच्चों द्वारा राष्ट्रीय गान एवं देशभक्ति पर आधारित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। उक्त अवसर पर संस्थाकी निदेशक डॉ रानी अवस्थी , सचिव सर्वेश अवस्थी, संगीता यादव, निशा , उषा मिश्रा, पूजा, अंकिता ,मनोज, अनीता आदि उपस्थित है। डॉ रानी अवस्थी ने कहा कि हमारा देश विभिन्न धर्म एवं विभिन्न भाषाओं तथा वेशभूषा के बाद भी एक है तथा हम सब अपने देश को बहुत प्यार करते हैं क्योंकि हमारा धर्म हमें आपस में मिलजुल कर रहना सिखाता है। हमें हमेशा अपने देश की रक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए, जिससे देश की आन बान शान बनी रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी द्वारा आभार प्रकट किया गया।

फेसबुक पर हुई दोस्ती, निकाह का झांसा देकर जीजा, साले करते रहे दुष्कर्म

संवाददाता–देवरिया। जीजा साले ने एक युवती के साथ देवरिया के एक निजी अस्पताल में सामूहिक दुष्कर्म किया। युवती ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। दुष्कर्म का एक आरोपी मदरसा शिक्षक है जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वही आरोपी युवक फरार है। तीन वर्ष पूर्व बघौचघाट थाना क्षेत्र के एक युवक की सीतापुर की एक युवती से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हो गई। दोस्ती प्यार में बदल गई दोनो एक दूसरे से मिलने जुलने लगे। युवक पहली बार युवती से मिलने सीतापुर गया, जहां दोनो एक होटल में मिले। युवक ने युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद युवक युवती से निकाह की बात करके उससे लगातार मिलता रहा और शारीरिक संबंध बनाता रहा। युवती ने जब निकाह का दबाव बनाया तो युवक मुकर गया। इससे नाराज युवती युवक का पता लगाते उसके घर पहुंच गई। युवक ने पुनः उसे समझा कर वापस भेज दिया कि कुछ दिन बाद तुमसे निकाह करेंगे। युवती मान गई और वापस चली गई। युवक ने जुलाई 2023 में फिर से फोन किया कि तुम देवरिया आ जाओ तुमसे निकाह करना है। लड़की देवरिया पहुंची तो युवक ने उसे अंबेडकर नगर के एक निजी अस्पताल में आने के कहा। लड़की वहां पहुंच गई। इस अस्पताल पर पहले से युवक और उसका बहनोई जो मदरसे में शिक्षक है, मौजूद थे। युवक का बहनोई लड़की को कहा कि मैं अपने साले को मना कर तुमसे शादी करा दूंगा, घबराओ नहीं। युवती उसके झांसे में आ गई और दोनों साले बहनोई ने उसी अस्पताल में लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाया।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त मूसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतर्फा (आर्डर 9 कायदा 13)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर
प्रकीर्णवाद सं0 98/2023
मूलवाद सं0 79/21

श्रीमती ज्ञानती देवी आदि
बनाम
श्रीमती शैलेश आदि

1. श्रीमती शैलेश उम्र करीब 55 वर्ष पत्नी अखिलेश कुमार पुत्री मृतक ताराचन्द निवासिनी ग्राम कपिया नकटी तप्पा हीर परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थनगर हाल मुकाम ग्राम मठिया बुजुर्ग तप्पा बटेसरा पोस्ट राजा बाजार खड्डा परगना सिधुवाजोवना तहसील पड़रौनी जिला–कुशीनगर –विपक्षी प्रथम पक्ष
2. रोमेश दूबे वालिग पुत्र मृतक राजेश दूबे निवासी नकटी तप्पा हीर परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 23–02–2024

हरगाह मुद्दाअलेह मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतरफा मुवरिखा जो साकिन मजकुरूसदर में साबित हो चुकी है पेश की है। लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस में बतारीख 23 माह 02 सन 2024 या बजरिये वकील अदालत हाजा या बजरिये मुख्तार मजाज हुक्म जाप्ता और वाकिफ हाजा मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) हाजिर करें कि नाममुद्दई की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम पंचायत अवस्थीपुर विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 28.01.2024 से 06.02.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 06.02.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–जंगबहादुर यादव	सचिव/ग्रां.प्र.अ.–रीमा चौधरी
ग्राम पंचायत- अवस्थीपुर	ग्राम पंचायत- अवस्थीपुर
विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्ती	विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्त

पत्रांक मेमो /27.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

कार्यालय ग्राम पंचायत रैकवार विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 28.01.2024 से 05.02.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 05.02.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–बलराम चौधरी	सचिव/ग्रां.प्र.अ.–रीमा चौधरी
ग्राम पंचायत- रैकवार	ग्राम पंचायत- रैकवार
विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्ती	विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्त

पत्रांक मेमो /27.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

कार्यालय ग्राम पंचायत भरौली बाबू विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 28.01.2024 से 05.02.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 05.02.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–ध्रुव चन्द्र	सचिव/ग्रां.प्र.अ.–अखिलेश कुमार शुक्ल
ग्राम पंचायत- भरौली बाबू	ग्राम पंचायत- भरौली बाबू
विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्ती	विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्त

पत्रांक मेमो /27.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

श्री हनुमत संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उत्साह से मनाया गया गणतंत्र दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। राम की जन्म स्थली अयोध्या ने 74 वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अयोध्या नगर में स्थित सभी विद्यालय कार्यालय एवं समाजसेवी संगठनों द्वारा दर्जनों स्थानों पर ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया गया और मिष्ठान वितरण किया गया। इसी क्रम में सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी के परिसर में स्थित श्री हनुमत संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रधानाचार्य डॉक्टर महेश दास द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सुबह 9 बजे महाविद्यालय के छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान गाया गया इसके उपरांत सभी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य महोदय ने बताया कि 26 जनवरी 1950 को हमें अपना संविधान मिला जिससे देश का नया निर्माण शुरू हुआ और आज हम सभी अपने वृहद संविधान के अनुसार अपने कर्तव्य और अधिकारों का पालन कर रहे हैं। इस अवसर पर साहित्य विभाग अध्यक्ष शैलेश सिंह, साहित्य विभाग अध्यक्ष अनीता पांडे, वेदांत विभाग अध्यक्ष बालमुकुंद मिश्रा, हिंदी विभाग अध्यक्ष कृष्णानंद उपाध्याय बड़े बाबू लक्ष्मण सिंह मुख्य अतिथि पूर्व विभाग अध्यक्ष त्रियुगी दास नागा उपेंद्र दास मामा दास लवकुश दास आशीष दास लक्ष्मण दास सहित दर्जनों लोगों ने ध्वजारोहण के बाद एक दूसरे को बधाई दी।

नगर में स्थित जनता अवध इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य वीर विक्रमादित्य के संयोजन में हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया और बच्चों को सम्मानित किया गया। प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल ने में डॉक्टर रानी अवस्थी के संयोजन में 75 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राएं एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे। हिंदी प्रचार प्रसार सेवा संस्थान द्वारा 75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव डॉ सम्राट अशोक मौर्य और पूर्व सभासद मधुबन दास ने ध्वजारोहण किया इस अवसर पर भानु प्रताप सिंह एडवोकेट अयोध्या मौर्या सहित अन्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। श्री सेवा संस्थान द्वारा कार्यालय पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोषानंद त्रिपाठी द्वारा ध्वजारोहण किया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव ओंकार नाथ पांडे सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत कोईलपुरा विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 28.01.2024 से 07.02.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 07.02.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–सियाराम चौधरी	सचिव/ग्रां.प्र.अ.–रीमा चौधरी
ग्राम पंचायत- कोईलपुरा	ग्राम पंचायत- कोईलपुरा
विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्ती	विकास खण्ड बस्ती सदर, बस्त

पत्रांक मेमो /27.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

कार्यालय, नगर पंचायत रूधौली बाजार, जनपद-बस्ती

पत्राक– /न०प०रू०बा०ब०/2023–24 दिनाक– 2024

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत रुधौली बाजार, बस्ती में स्वच्छ भारत मिशन योजना के अन्तर्गत आई०ई०सी० मद में प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत क्षेत्र के अन्तर्गत स्वच्छता सम्बन्धी प्लास्टिक प्रतिबन्ध व पर्यावरण बचाव हेतु स्लोगन का आयल वाल पेन्टिंग कराये जाने सम्बन्धी निविदा दर का आमंत्रण दिनांक 31.01 24. को अपरान्ह 03:00 बजे तक आमन्त्रित किया जाता है। जिसे उसी दिन अधोहस्ताक्षरी के समक्ष 04:00 बजे साय को खोला जायेगा। इच्छुक फर्म/व्यक्ति निविदा प्रपत्र दिनांक 31–01–2024 को दोपहर 02:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

अधिशाषी अधिकारी	**अध्यक्ष**
नगर पंचायत रुधौली बाजार बस्ती	नगर पंचायत रुधौली बाजार बस्ती

कार्यालय, नगर पंचायत रूधौली बाजार, जनपद–बस्ती

पत्राक–1144 /न०प०रू०बा०ब०/2023–24 दिनाक– 24–01–2024

आज सीएम योगी करेंगे सफाई मित्रों का सम्मान, युवाओं को देंगे स्मार्टफोन

संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को दो अलग—अलग कार्यक्रमों में सफाई मित्रों का सम्मान एवं अध्ययनरत युवाओं में स्मार्टफोन—टैबलेट का वितरण करेंगे। दोनों कार्यक्रमों में संबोधन के जरिये मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। सफाई मित्रों के सम्मान समारोह के मंच से सीएम नगर निगम की 116.08 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी करेंगे। सफाई मित्रों का सम्मान समारोह रविवार सुबह अभयनंदन इंटर कॉलेज में होगा। नगर निगम की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में सफाई मित्रों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों यूनिफॉर्म, लंच बॉक्स और विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं के आच्छादन से लाभान्वित कराया जाएगा।

इसी कार्यक्रम में सीएम योगी 110 निर्माण कार्यों का शिलान्यास तथा 66 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। सभी परियोजनाओं की लागत 116.08 करोड़ रुपये है। इसके अलावा मुख्यमंत्री डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन वाहनों व जेसीबी को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। दोपहर बाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी विद्यार्थियों को स्मार्टफोन—टैबलेट वितरित करेंगे।

नशे की तस्करी करने वाले चार गिरफ्तार, 33 किलो गांजा बरामद

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। एसओजी और बांसी पुलिस की संयुक्त टीम को मिली बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने 33 किलो ग्राम गांजे के साथ चार अंतर्जनपदीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों के पास से लगभग साढ़े तीन लाख रुपये का गांजा ,1 स्कार्पियो व 1 स्कूटी किया बरामद किया है। पकड़े गए तस्कर गोण्डा ,कुशीनगर एवं बिहार राज्य के रहने वाले हैं। उड़ीसा व बंगाल से गांजा का एक—एक किलो का पैकेट बनाकर कुशीनगर से लखनऊ साहित अन्य शहरों में बेंचते थे। पुलिस ने बांसी थाना क्षेत्र के बांसी संतकबीरनगर मार्ग के तेलौरा के पास से चारों तस्करों को किया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मामले का पूछता जारी है। इनका कहां—कहां नेटवर्क है, इसके बारे में जानकारी ली जा रही है, जिससे अन्य लोगों को भी पकड़ा जा सके।

85 विद्यालयों में हुई इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षा में शनिवार को तेजी दिखी। पहले दिन जहां जिले के 19 विद्यालयों में केवल इंटर गृह विज्ञान विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा कराई गई। वहीं शनिवार को 85 विद्यालयों में आधा दर्जन से अधिक विषयों की परीक्षा हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम के माध्यम से परीक्षा की ऑनलाइन निगरानी की गई।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देश पर यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 25 जनवरी से दो फरवरी तक होनी है। माध्यमिक शिक्षा परिषद से नियुक्त परीक्षक पहले दिन काफी कम विद्यालयों में पहुंचे। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम की प्रभारी प्रमिला वर्मा ने बताया कि पहले दिन 19 विद्यालयों में प्रयोगात्मक परीक्षाएं हुई थी। शुक्रवार को गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम के बाद अब इसमें तेजी आई है। 27 जनवरी को जिले के 85 विद्यालयों में भूगोल, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, शस्य विज्ञान, गृह विज्ञान, फोटोग्राफी तथा व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत परिधान रचना की प्रयोगात्मक परीक्षाएं संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में तेजी से प्रयोगात्मक परीक्षाएं कराई जा सकती है। कंट्रोल रूम प्रभारी ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रतिनिधि के रूप में विद्यालयों में निरीक्षण भी करवाया गया। सभी जगह पर शांतिपूर्वक ऑनलाइन परीक्षा होती पाई गई। कंट्रोल रूम को अधिकांश विद्यालयों के द्वारा बताया गया कि भूगोल, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 29और 30 जनवरी के बीच कराई जाएंगी।

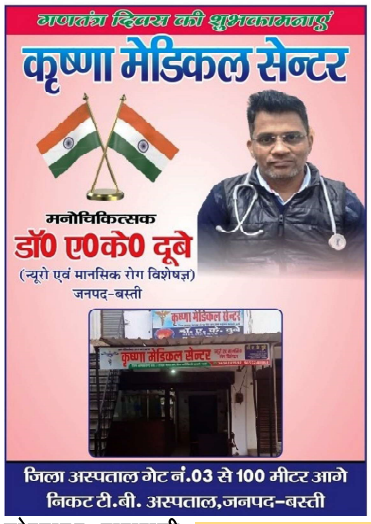

गोरखपुर—वाराणसी हाइवे 5 गाड़ियां आपस में टकराईं, कई चोटिल

संवाददाता—गोरखपुर। सर्दी और घना कोहरा लगातार कहर बरपा रहा है। शनिवार को गोरखपुर—वाराणसी राजमार्ग के कटया सियर टोल प्लाजा पर पांच गाड़िघ्यां आपस में टकरा गईं। भोर में घने कोहरे के बीच टोल के डिवाइडर से पांच गाडियां एक के बाद एक कर आपस में टकरा गईं। इससे गाड़ियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में लोगों को मामूली चोटें ही आई हैं। जानकारी के अनुसार गोरखपुर— वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कटया में बने नये टोल प्लाजा पर घने कोहरे के कारण शनिवार की भोर में 3—4 बजे के बीच गाजीपुर से टमाटर लादकर गोरखपुर मंडी जा रही रही एक पिकअप डिवाइडर से जा टकरा गई। इससे पिकअप में रखे टमाटर सड़क पर बिखर गए। इसी दौरान कौड़ीराम से गोरखपुर की तरफ जा रही एक कार भी डिवाइडर से टकरा गई। कार में दो लोग सवार थे। दोनों घायल हो गए हैं। उन्घ्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

वहीं गोरखपुर से कौड़ीराम की तरफ जा रही एक अन्घ्य कार भी घने कोहरे के कारण डिवाइडर से टकरा गई। ग्रामीणों के अनुसार दो और अन्य गाड़ियां भी टकरा गई थीं। हालांकि कुछ देर बाद ही दोनों गाड़ियां वहां से चली गईं। स्थानीय लोगों और राजगीरों का कहना है कि रात में टोल पर लगी लाइट बंद कर दी गई थी।

हादसे की वजह यही है। हाईवे पर चल रही गाड़ियों को घने कोहरे के बीच टोल डिवाइडर होने का पता ही नहीं चला। वे आपस में टकराती चली गईं। इस बात को लेकर के आज सुबह राहगीरों और एनएचएआई के लोगों के बीच काफी नोकझोंक भी हुई।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अपील सं0 C 202217000000755

अदालत—श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला—बस्ती

मो0 इसहाक

बनाम

हरिओम आदि

1. हरिओम पुत्र अमरनाथ 2. विशम्भरनाथ पुत्र गिरीश बहादुर 3. रमेश चन्द्र 4. सुभाष चन्द्र 5. राजेश बाबू 6. प्रदीप कुमार 7. दिलीप कुमार पुत्रगण हरीश बहादुर 8. कैलासनाथ पुत्र जोखू साकिनान बूदीपार तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला—संतकबीरनगर 9. रईश अहमद पुत्र हयात मोहम्मद 10. निजामुद्दीन 11. रियाजुद्दीन पुत्रगण अकबर हुसैन 12. उवैदुर्रहमान पुत्र मो0 हुसैन 13. मुस्ताक अहमद पुत्र मोहम्मद हुसैन 14. रफीक अहमद पुत्र हयात मोहम्मद 15. वाजिद अली पुत्र अताउल्लाह 16. मो0 जमा पुत्र सलीम 17. मुसोमात रहीसुन्निशा पत्नी हैदर अली 18. कदीरून्निशा पत्नी मो0 इसहाक 19. श्रीमती आविदा खातून पत्नी सफीकुर्रहमान साकिन पचेठी तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 28—02—2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 28 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 27 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

टैबलेट व स्मार्ट फोन पाकर चहके छात्र

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। प्रदेश सरकार की ओर से स्नातक के छात्र छात्राओं में टैबलेट और स्मार्ट फोन का वितरण जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को संत द्वारिका प्रसाद पीजी कालेज कोटवा महमदपुर में वितरण समारोह का आयोजन हुआ। वितरण भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने किया।

समारोह को मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पर दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया और कहा छात्रराष्ट्र के भविष्य हैं। इसलिए स्मार्ट फोन मिला है। इसका सही ढंग से उपयोग करें, ताकि पढ़ाई में मदद मिले। कहा कि पढ़ाई के साथ हमें अपने जिले अपने प्रदेश अपने देश के बारे मे अच्छा सोचना होगा। तभी हम एक एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण कर सकते है। समारोह मे प्रबंधक डा. हरीश वर्मा, अनिल मिश्रा, सचिन पाण्डेय, शुभम अग्रहरि उपस्थित रहे।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com